भाकृअनुप –सीफेट, लुधियाना में 'अपशिष्ट से धन दृष्टिकोण' पर उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन

22 फरवरी, 2024 भाकृअनुप -केन्द्रीय कटाई-उपरान्त अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान, लुधियाना ने सीआरपी -एसए परियोजना 'जैव सक्रिय यौगिकों का निष्कर्षण और खेतों और कृषि-प्रसंस्करण उद्योगों के उप-उत्पादों में मूल्यवर्धन' के तहत 20 से 22 फरवरी, 2024 तक "खाद्य प्रसंस्करण के उप-उत्पादों का मूल्यवर्धन: अपशिष्ट से धन दृष्टिकोण" पर तीन दिवसीय उद्यमिता विकास कार्यक्रम का सफल आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में मैसर्स जायका स्वयं सहायता समूह, लुधियाना और मैसर्स स्वादम लाभ स्वयं सहायता समूह लुधियाना की चार महिला प्रतिभागियों को आंवला और किन्नू जैसे फलों और गुलाब की पंखुड़ियों के प्रसंस्करण के लिए तकनीकी ज्ञान और किन्नू जूस, आंवला कैंडी और जूस, गुलाब जल जैसे मुख्य प्रसंस्कृत उत्पाद बनाने के साथ-साथ उप-उत्पादों को द्वितीयक प्रसंस्करण के माध्यम से पेक्टिन, बायोएक्टिव अर्क, आवश्यक तेल आदि जैसे मूल्य वर्धित उत्पादों में परिवर्तित करने पर व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया। इस उद्यमिता विकास कार्यक्रम का समन्वयन डॉ. मंजू बाला, कार्यवाहक प्रभागाध्यक्ष व प्रधान वैज्ञानिक और डॉ. दीपिका गोस्वामी, वरिष्ठ वैज्ञानिक, भाकृअनुप -सीफेट लुधियाना द्वारा किया गया। संस्थान के प्रभारी निदेशक डॉ. आर के विश्वकर्मा ने प्रतिभागियों को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित किया और इस बात पर प्रकाश डाला कि भाकृअनुप -सीफेट, लुधियाना की प्रसंस्करण सुविधाओं का उपयोग वे अपनी उद्यमशीलता गतिविधियों को शुरू करने अथवा बढ़ावा देने और उनके प्रसंस्करण क्षेत्र के विस्तार के लिए अधिक कौशल प्राप्त करने के लिए कर सकते हैं।

ICAR
ICAR-CIPHET